ये अव्यक्त इशारे

परोपकार की भावना से सम्पन्न बन अपकारियों पर भी उपकार करो

18-07-2024

विशेष रूप से अपनी मन्सा अर्थात् संकल्प शक्ति द्वारा, वाणी की शक्ति द्वारा, अपने संग के रंग द्वारा, सम्बन्ध के स्नेह द्वारा, खुशी के अखुट खज़ाने द्वारा अखण्ड दान करते रहना -यही है परोपकार करना। कोई भी आत्मा सम्पर्क में आये तो खुशी के खज़ाने से सम्पन्न होकर जाए, ऐसे अखण्ड दानी बनो।

Be full with the feeling of uplifting others and have mercy on those who defame you.

To continue to donate unceasingly especially through the power of your thoughts, the power of your words, through the colour of your company, through love-full relationships and through your limitless treasure of happiness is to have mercy for others and to uplift them. Let a soul who comes into contact with you return full with the treasure of happiness. Become such unceasing donors.